Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education
Vol. 18, Issue No. 1, January-2021, ISSN 2230-7540

हिन्दी शिक्षा की वर्तमान स्थिति उत्तरकाशी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में

श्री प्रकाश द्विवेदी[1*] , डॉ. नविता रानी[2]

[1] पीएच.डी शोधकर्ता, सनराईस विश्वविद्यालय, अलवर (राजस्थान)

[2] सहायक प्रोफेसर (हिंदी), कला विभाग, सनराईस विश्वविद्यालय, अलवर (राजस्थान)

सार - वर्तमान समय में, दो सौ बीस से अधिक भाषाएँ हैं जो में मौजूद हैं लिखित रूप। भारतीय संविधान ने भी सोलह बोलियों को एक भाषा के रूप में अनुमति दी है। हिन्दी 14 तारीख को सोलह भाषाओं में भाषा को राष्ट्रभाषा के रूप में माना गया है सितंबर, 1949। गांधीजी ने राष्ट्रभाषा के बारे में कहा है कि " मैं इस निर्णय पर बाद में आता हूं" बहुत सोचना, राष्ट्रीय व्यवसाय का प्रशासन करना और विचार के परिवर्तन के लिए, वहाँ क्या कोई भाषा हिंदी भाषा के रूप में इसका माध्यम नहीं हो सकती है।" उसके कारण ऐसा लगता है कि आने वाले वर्ष में राष्ट्रभाषा लुप्त हो सकती है। आज कुल मिलाकर यही चिंता का विषय है। इसलिए अन्वेषक ने वर्तमान जांच का चयन किया उत्तरकाशी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में हिंदी शिक्षा की वर्तमान स्थिति के संदर्भ मे। भले ही आज हिंदी की वैश्विक स्थिति काफी बहेतर है विश्व के प्रायरू सभी महतवपूर्ण देशों के विश्व विद्यालयों में हिंदी अध्ययन अध्यापन हो रहा है। परन्तु विडंबना यह है कि विश्व में अपनी स्थिति के बावजूद हिंदी भाषा अपने ही घर में उपेक्षित जिंदगी जी रही है।

इस जांच को अंजाम देने के लिए, अन्वेषक ने विभिन्न उद्देश्यों और प्रश्नों का निर्माण किया। वह निर्धारित उद्देश्यों के आधार पर डेटा संग्रह के लिए विकसित उपकरण। उन्होंने विभिन्न लेबल के तहत निष्कर्ष प्राप्त किये|

विशेष शब्द - संचार, शिक्षा, हिंदी भाषा

----------X----------

1. परिचय

भाषा मनुष्य को ईश्वर द्वारा दिया गया सबसे बड़ा वरदान है। भाषा के कारण इंसान को अलग माना जाता है । भाषा को प्रतीकात्मक उपकरण माना गया है। प्राचीन काल में आदमी ने अपने विचारों को संप्रेषित करने के लिए विभिन्न संकेतों का इस्तेमाल किया । लेकिन एक परेशानी थी कि सभी विचारों और भावों को केवल भौतिक संकेतों द्वारा ही रूपांतरित करें। और इसके परिणाम विभिन्न भाषाएँ अस्तित्व में रही हैं।

वर्तमान समय में हिन्दी शिक्षा का बुरा हाल है और यही कारण का पता लगाने के लिए जिले कीवर्तमान शिक्षा स्थिति का जांच पड़ताल की गई| आज हिन्दी भाषा का बहुत बुरा हाल है। शुद्ध हिंदी बोलने वालों की संख्या बहुत कम है। परीक्षाओं में भी अंग्रेजी विषय अनिवार्य और हिंदी विषय को वैकल्पिक समूह में रखा गया है। उसी का नतीजा है कि आज समाज आंखों पर पट्टी बांधकर अंग्रेजी विषय और अंग्रेजी माध्यम का अनुसरण करता है|

भारतीय विचार और संस्कृति का वाहक होने का श्रेय हिन्दी को ही जाता है। आज संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में भी हिंदी की गूंज सुनाई देने लगी है। पिछले वर्ष सितंबर माह में हमारे प्रधानमंत्री द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में ही अभिभाषण दिया गया था। विश्व हिंदी सचिवालय विदेशों में हिंदी का प्रचार-प्रसार करने और संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को आधिकारिक भाषा बनाने के लिए कार्यरत है। उम्मीद है कि हिंदी को शीघ्र ही संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा का दर्जा भी प्राप्त हो सकेगा।

हिंदी आम आदमी की भाषा के रूप में देश की एकता का सूत्र है। सभी भारतीय भाषाओं की बड़ी बहन होने के नाते हिंदी विभिन्न भाषाओं के उपयोगी और प्रचलित शब्दों को अपने में

www.ignited.in

समाहित करके सही मायनों में भारत की संपर्क भाषा होने की भूमिका निभा रही है। हिंदी जन-आंदोलनों की भी भाषा रही है। हिंदी के महत्त्व को गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, 'भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी'। हिंदी के इसी महत्व को देखते हुए तकनीकी कंपनियां इस भाषा को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही हैं। यह खुशी की बात है कि सूचना प्रौद्योगिकी में हिन्दी का इस्तेमाल बढ़ रहा है। आज वैश्वीकरण के दौर में, हिंदी विश्व स्तर पर एक प्रभावशाली भाषा बनकर उभरी है। आज पूरी दुनिया में 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा पढ़ाई जा रही है। ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकें बड़े पैमाने पर हिंदी में लिखी जा रही है। सोशल मीडिया और संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है।

भाषा का विकास उसके साहित्य पर निर्भर करता है। आज के तकनीकी के युग में विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भी हिंदी में काम को बढ़ावा देना चाहिए ताकि देश की प्रगति में ग्रामीण जनसंख्या सहित सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके लिए यह अनिवार्य है कि हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में तकनीकी ज्ञान से संबंधित साहित्य का सरल अनुवाद किया जाए। इसके लिए राजभाषा विभाग ने सरल हिंदी शब्दावली भी तैयार की है। राजभाषा विभाग द्वारा राष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन योजना के द्वारा हिंदी में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकों के लेखन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे हमारे विद्यार्थियों को ज्ञान-विज्ञान संबंधी पुस्तकें हिंदी में उपलब्ध होंगी। हिन्दी भाषा के माध्यम से शिक्षित युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो सकें, इस दिशा में निरंतर प्रयास भी जरूरी है।

भाषा वही जीवित रहती है जिसका प्रयोग जनता करती है। भारत में लोगों के बीच संवाद का सबसे बेहतर माध्यम हिन्दी है। इसलिए इसको एक -दूसरे में प्रचारित करना चाहिये। इस कारण हिन्दी दिवस के दिन उन सभी से निवेदन किया जाता है कि वे अपने बोलचाल की भाषा में भी हिंदी का ही उपयोग करें। हिंदी भाषा के प्रसार से पूरे देश में एकता की भावना और मजबूत होगी।

2. समस्या का विवरण

समस्या वर्तमान अध्ययन का कथन इस प्रकार बताया गया है " हिन्दी शिक्षा की वर्तमान स्थिति उत्तरकाशी जिले के माध्यमिक विद्यालयों में "|

3. अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन निम्नलिखित उद्देश्यों के सन्दर्भ में किया गया है :

1. उत्तरकाशी जिले के माध्यमिक विद्यालय में हिंदी शिक्षा में सहायक उपकरण प्राप्त करना । निम्नलिखित विषय के संदर्भ में विषय शिक्षकों के दृष्टिकोण प्राप्त करने के लिए:
2. शिक्षण विधि
3. शिक्षण उपकरणों (सामग्री) का उपयोग
4. भाषा प्रयोगशाला|
5. मूल्यांकन से संबंधित शिक्षकों और छात्रों के विचारों को हिंदी भाषा में जानना।
6. हिंदी शिक्षा में शिक्षकों और छात्रों के लिए बाधाओं के बारे में अध्ययन करना।
7. हिंदी भाषा को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों और छात्रों के सुझावों को जानना।

4. अध्ययन के प्रश्न

1. इस दौरान हिंदी शिक्षा शिक्षण पद्धति के उपयोग के संदर्भ में शिक्षकों के क्या विचार हैं??
2. शिक्षण सामग्री के उपयोग के संबंध में विषय शिक्षकों के पास किस प्रकार के दृष्टिकोण हैं?
3. हिंदी भाषा शिक्षा के प्रयोगशाला की आवश्यकता और प्रभावशीलता के बारे में शिक्षक क्या मानते हैं?
4. हिंदी शिक्षा के मूलभूत उपचारों के बारे में शिक्षकों के क्या विचार हैं?
5. हिंदी विषय में मूल्यांकन के संबंध में विषय शिक्षकों के दृष्टिकोण क्या हैं?
6. हिन्दी विषय में मूल्यांकन के संबंध में विद्यार्थियों के क्या विचार हैं?
7. हिंदी भाषा पढ़ाने के दौरान हिंदी के शिक्षकों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

8. हिंदी भाषा सीखते समय छात्रों को किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

9. शिक्षकों के अनुसार हिन्दी शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए किस प्रकार के प्रयास किए जा सकते हैं?

10. छात्रों के अनुसार हिन्दी शिक्षा को प्रभावी बनाने के लिए किस प्रकार के प्रयास किए जा सकते हैं?

5. अध्ययन का महत्व

1. अन्वेषक के रूप में स्वयं एक स्नातकोत्तर और पेशेवर स्नातकोत्तर होने के साथहिन्दी विषय, उनका मानना है कि हिन्दी की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी शिक्षा को लाभ होगा और उसे न्याय, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया देने के लिए निर्देशित किया जाएगा कि शिक्षक विनम्रता से विश्वास करता है।

2. वर्तमान अध्ययन को उत्तरकाशी जिले के माध्यमिक विद्यालय में हिन्दी शिक्षा की वर्तमान स्थिति पर केन्द्रित किया गया है । तो हिंदी की वर्तमान स्थिति की समझ शिक्षा को गहराई से और निष्पक्ष बनाएं और फिर उसके अनुसार शिक्षण प्रक्रिया का तरीका होगा ताकि भविष्य के शिक्षकों के लिए और अधिक लाभान्वित हो।

3. इस अध्ययन से हम हिंदी विषय के छात्रों और शिक्षकों के सामने आने वाली समस्याओं को जान सकते हैं। यदि हमे पाठ्यक्रम निर्माता या भाषाओं के तरीकों के निर्माता को पता चल जाएगा, हिंदी शिक्षा से संबंधित अच्छी स्थिति बनाने की संभावना हो सकती है।

6. अध्ययन का परिसीमन

1. अध्ययन केवल उन शिक्षकों तक सीमित है जो माध्यमिक में छठी कक्षा में पढ़ा रहे थे।

2. वर्तमान अध्ययन में शिक्षक के लिए स्वनिर्मित उपागम तथा विद्यार्थियों के लिए बंद प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है। इसके अलावा, दोनों उपकरणों में ओपन एंडेड प्रश्न हमने शामिल किए।

7. जनसंख्या और नमूना चयन

उत्तरकाशी जिले के सभी माध्यमिक विद्यालय अध्ययन की जनसंख्या थे। उन की सूची स्कूलों को तालिका 1 में दिया गया है।

तालिका 1: उत्तरकाशी जिले के तालुका वाइस स्कूल की सूची

क्रम संख्या	तालुका	मानक VI वाले स्कूलों की कुल संख्या	नमूने में शामिल स्कूलों की संख्या
1	भटवाड़ी	65	16
2	डुंडा	76	18
3	चिन्यालीसौड़	53	13
4	बड़कोट	65	16
5	पुरोला	94	23
6	मोरी	115	28
7	जोशियाड़ा	46	11
8	धौन्तरी	139	33
	कुल	653	158

इस प्रकार तालिका 1 के अध्ययन से ज्ञात होता है कि भरूच जिले के 653 विद्यालयों में से 158 विद्यालयों का चयन प्रतिचयन पद्धति से किया गया। इस प्रकार 158 शिक्षक जो हिंदी विषय पढ़ा रहे हैं और 155 लड़के व 161 लड़कियां सातवीं कक्षा में पढ़ रहे हैं। इस तरह 316 छात्रों का चयन किया गया था।

8. अनुसंधान उपकरण

वर्तमान अध्ययन सर्वेक्षण प्रकार का है और शिक्षकों और छात्रों से जानकारी प्राप्त करने के लिए, जांचकर्ता उपकरण विकसित करते हैं।

1. एक राय : शिक्षकों से अन्वेषक द्वारा विकसित जानकारी प्राप्त करने के लिए।

2. क्लोज एंडेड प्रश्नावली : छात्रों से जानकारी प्राप्त करने के लिए।

इसके अलावा, दोनों उपकरणों में तीन ओपन एंडेड प्रश्न शामिल थे।

9. डेटा संग्रह और विश्लेषण

अन्वेषक ने स्वयं चयनित विद्यालयों में से कुछ विद्यालयों का दौरा किया और मित्रों की सहायता से कुछ विद्यालयों से जानकारी प्राप्त की। अध्ययन में वर्णात्मक विधि था प्रयोग हुआ| विश्लेषण के लिए प्रतिशत तकनीक का उपयोग किया गया था, वहां के दर्शकों द्वारा छात्रों और शिक्षकों से एकत्र किए गए दृश्य। फिर, प्रश्नावली के प्रत्येक वाक्य को रैंक दिया गया।

10. निष्कर्ष

10.1 हिंदी शिक्षा में शिक्षण पद्धति से संबंधित निष्कर्ष

हिन्दी विषय की शिक्षा के लिए मौखिक पद्धति का अधिकतर प्रयोग किया जाता था।

1. विभिन्न प्रकार की शिक्षण विधियों के कारण शिक्षा की प्रक्रिया धीमी हो गई थी।
2. साथी शिक्षकों ने नए कार्य में सहयोग से उत्साह बढ़ाया था।
3. नई पद्धति का उपयोग करने के लिए शिक्षकों को स्वयं अपना पैसा खर्च करना होगा|

10.2 शिक्षण सामग्री के उपयोग से संबंधित निष्कर्ष

1. शिक्षकों ने शिक्षण सामग्री के रूप में केवल चित्रों और चार्ट का उपयोग किया था।
2. आवश्यक उपकरणों की कमी के कारण कम्प्यूटरीकृत सामग्री कक्षा में नहीं पहुंच सकी।
3. सरकार नई शिक्षण सहायता खरीदने के लिए उचित धन उपलब्ध नहीं करा सकी।
4. दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रम का लाभ हिन्दी विषय को नहीं मिला।

10.3 भाषा प्रयोगशाला के उपयोग से संबंधित निष्कर्ष

बहुत अधिक लागत के कारण, भाषा प्रयोगशाला बनाना संभव नहीं था।

1. हिंदी भाषा सीखने के लिए भाषा प्रयोगशाला सबसे महत्वपूर्ण उपकरण है।
2. वर्तमान समय में हिंदी भाषा का समर्थन करने वाले मीडिया का उपयोग करना आवश्यक है।

10.4 मौलिक उपचार कार्यक्रम से संबंधित निष्कर्ष

1. मौलिक उपचार कार्यक्रम की गुणवत्ता गंभीरता बनाने के कारण भ्रष्ट हो गई थी।
2. मूल उपचार कार्यक्रम उचित समय के कारण ठीक से नहीं बन पाया।
3. मौलिक उपचार कार्य से संबंधित प्राचार्यों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त किया गया था।
4. कक्षा में मौलिक उपचार कार्यक्रम से संबंधित योजना थी।

10.5 हिंदी शिक्षा की वर्तमान स्थिति के संबंध में शिक्षकों और छात्रों द्वारा प्राप्त जानकारी से संबंधित

10.5.1 हिंदी विषय में मूल्यांकन प्रक्रिया से संबंधित निष्कर्ष

1. मूल्यांकन प्रणाली के आधार हिंदी भाषा के सभी पहलुओं को नहीं माप सकते।
2. वैज्ञानिक शैली का पालन करना आसान बनाना प्रश्न पत्र की तैयारी संभव नहीं हो सकती है।
3. जब मूल्यांकन में अंक के स्थान पर ग्रेड दिया गया था। छात्रों की गलतफहमी बढ़ गई थी।
4. मूल्यांकन में अन्य प्रश्नों को सही दिया गया था।

10.5.2 हिंदी शिक्षा के दौरान जिन समस्याओं का सामना करना पड़ा, वे निष्कर्ष

1. विद्यार्थी को हिन्दी भाषा के उच्चारण में समस्या आ रही थी।

2. शिक्षक द्वारा संदर्भ पुस्तकों का अधिक उपयोग नहीं किया गया।

3. छात्रों में हिंदी विषय में शब्दावली का अभाव था।

4. हिन्दी भाषा लिखने में इतनी गति नहीं थी।

10.5.3 हिन्दी शिक्षा को प्रभावी बनाने से संबंधित निष्कर्ष

1. हिंदी भाषा को स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षक द्वारा पढ़ाया जाना चाहिए।

2. दूरदर्शन को अन्य विषयों की तरह टीवी पर हिंदी भाषा शिक्षण कार्यक्रम का प्रसारण करना चाहिए।

3. हिंदी को महत्व दिया जाना चाहिए।

4. हिंदी शिक्षा विभिन्न (विभिन्न) विधियों से प्रदान की जानी चाहिए।

11. शैक्षिक निहितार्थ

1. हिंदी विषय शिक्षण के लिए विभिन्न विधियों का प्रयोग।

2. विभिन्न शब्दांश आधारित विधियों का चयन करने के लिए विशेष पद्धति की अधिकता नहीं होनी चाहिए।

3. नई शिक्षण शैली के लिए कुछ पैसे खर्च करें।

4. हिंदी भाषा शिक्षण के दौरान न केवल चित्र और चार्ट का उपयोग करें बल्कि अन्य शिक्षण सहायक सामग्री का भी उपयोग करें।

5. कम्प्यूटरीकृत उपकरण आवश्यक सामग्री खरीदने में सहायक हो सकते हैं।

6. लागत की समस्या के कारण, सरकार को तालुका स्तर पर कम से कम 2 से 3 भाषा प्रयोगशाला प्रदान करनी चाहिए।

7. मौलिक उपचार कार्यक्रम के संदर्भ में हिंदी शिक्षा की कमजोरियों को जानने के लिए मौलिक उपचार कार्यक्रम की गंभीरता को बनाए रखना चाहिए।

8. मौलिक उपचार कार्यक्रम के लिए स्कूलों को अलग समय की व्यवस्था करनी चाहिए।

9. उन्हें मूल्यांकन प्रणाली विकसित करनी चाहिए जो हिंदी भाषा के सभी पहलुओं को मापती है।

10. मूल्यांकन के संदर्भ में, उन्हें ग्रेडिंग सिस्टम के खिलाफ अपने विचारों के लिए छात्रों की मदद भी करनी चाहिए।

11. शिक्षक को छात्रों के हिंदी में सही उच्चारण को विकसित करने के लिए कुछ प्रयास करने चाहिए।

12. शिक्षक द्वारा संदर्भ पुस्तकों का भेदभावपूर्ण प्रयोग। शिक्षक विषय वस्तु की गंभीरता से संबंधित संदर्भ पुस्तक का उपयोग कर सकते हैं।

13. स्कूल छात्रों की शब्दावली बढ़ाने के लिए घर पर पढ़ने के लिए छात्रों को संदर्भ पुस्तकें दे सकते हैं।

14. शिक्षक अपने लेखन कौशल को बढ़ाने के लिए छात्रों को लेखन कार्य प्रदान करें।

15. हिंदी शिक्षण स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाना चाहिए।

16. दूरदर्शन पर हिन्दी शिक्षा संबंधी कार्यक्रम का प्रसारण करना।

17. इस बात का ध्यान रखा जा सकता है कि विद्यार्थी हिन्दी भाषा को केवल कक्षा तक ही सीमित न रखें। इसलिए छात्रों को परिवर्तन में हिंदी भाषा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।

12. निष्कर्ष

वर्तमान विषय पर विचार करने के लिए अन्वेषक ने एक मामूली परीक्षण का प्रयास किया था। साथ ही, वर्तमान समय के संदर्भ में हिन्दी शिक्षा को एक संपूर्ण भाषा का गौरव प्राप्त होगा और कुछ परिवर्तनों के साथ अन्वेषक द्वारा इंगित किया गया है। यदि हिंदी विषय के अध्यापन-अधिगम की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। शिक्षक का उद्देश्य सफलता माना जाएगा।

www.ignited.in

संदर्भ

1. बेस्ट, जे.डब्ल्यू. (1997)। शिक्षा में अनुसंधान (तीसरा संस्करण) नई दिल्ली: प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया प्रा। लिमिटेड

2. दास, जी. (1951)। अनुसंधान क्रियाविधि। नई दिल्ली: ईश्वर मार्केट।

3. गुड, सी.सी. और मार्केट, डब्ल्यू.आर. (1959)। डिक्शनरी ऑफ एजुकेशन (द्वितीय संस्करण) न्यूयॉर्क, एम सी ग्रो हिल बुक कंपनी।

4. सुकनिया, एस.पी. और अन्य (1963)। शिक्षा के तत्व। रिसर्च (प्रथम संस्करण) इलाहाबाद: एलाइड पब्लिशर्स प्रा। लिमिटेड

5. यूग, पी.वी. (1956)। वैज्ञानिक सामाजिक सर्वेक्षण अनुसंधान एशिया।

Corresponding Author

श्री प्रकाश द्विवेदी*

पीएच.डी शोधकर्ता, सनराईस विश्वविद्यालय, अलवर (राजस्थान)